राजस्थान सरकार

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, पाली (राजस्थान)

विविध :: 71/2021

जी.सी.एम.एस. नम्बर :: 2021/228

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (पूर्व नाम एयू फाईनेन्सर्स (इण्डिया) लि0) रजिस्टर्ड कार्यालय 19–ए, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर–302001 राजस्थान एवं पत्राचार का पता–एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड एयू सेन्टर, तीसरी मंजिल, सन्नी ट्रेड टॉवर, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर 342019 राजस्थान जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री विक्की शर्मा		1. श्री भँवर सिह पुत्र श्री गोकुल सिंह पता– मकान नम्बर 53, नाथों का वास, रून्दिया, तहसील सोजत, जिला पाली 306104 राजस्थान। द्वितीय पता– श्री भँवर सिंह सम्पति अवस्थित खसरा नम्बर 136, तहसील– सोजत, जिला पाली 306104 राजस्थान। 2. श्रीमति उमा देवी पत्नी श्री भँवर सिंह पता– मकान नम्बर 53, नाथों का वास, रून्दिया, तहसील सोजत, जिला पाली, 306104 राजस्थान। 3. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री जेठू सिंह पता– 402, राजपूतों का बास, बरना, तहसील बिलाडा, जिला जोधपुर, राजस्थान। 4. श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री बंशी सिंह पता– रून्दिया, पोस्ट अटपडा, तहसील सोजत, जिला– पाली, राजस्थान 306104 5. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री जबर सिंह पता– रून्दिया, पाली, अटपडा, तहसील सोजत, जिला– पाली, राजस्थान 306104

जिला मजिस्ट्रेट पाली (राजस्थान)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 दी सिक्यूरीटाईजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 (The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002)

आदेश

दिनांक : 2/9/21

प्रार्थी बैंक की ओर से यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 के तहत पेश हुआ जो दर्ज रजिस्टर कर पत्रावली एवं दस्तावेजों का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया।

प्रार्थी बैंक ने प्रार्थना पत्र में वर्णित किया कि अप्रार्थी संख्या 1 बैंक के ऋणी व बंधककर्ता अप्रार्थी संख्या 2 व 3 सहऋणी तथा अप्रार्थी संख्या 4 व 5 जमानती है। अप्रार्थी संख्या 1 से 3 ने प्रार्थी बैंक से दिनांक 8.10.2016 को जरिये सेक्शन लेटर 22,00,000/– (अक्षरे बाईस लाख रूपये मात्र) अपनी वित्तिय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवेदन कर ऋण प्राप्त किया तथा ऋणी/जमानती ने उपरोक्त ऋण व उस पर देय ब्याज व खर्चों के लिए अपनी प्रतिभूतिस्वरुप अचल सम्पति जो अप्रार्थी संख्या 1 श्री भँवर सिंह के नाम भारमुक्त अचल सम्पति जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि खसरा नम्बर 136, तहसील सोजत, जिला पाली, 306104 राजस्थान स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 2250 वर्ग मीटर है। जिसकी चतुर्सीमाये इस प्रकार है:– पूर्व में नेशनल हाईवे रोड, पश्चिम में इस सम्पति का शेष भाग, उत्तर में नारायण लाल का प्लॉट, दक्षि[illegible] भाग स्थित है। अप्रार्थीगण के द्वारा ऋण इकरारनामा व साम्य मूलक बंधक स[illegible] का पत्र आदि दस्तावेजात पर अपने हस्ताक्षर कर निष्पादित किया। [illegible] के पश्चात ऋणी/जमानती ने ऋण इकरारनामा की शर्तो के [illegible] संचालन नहीं कि[illegible]कि अप्रार्थीगण को अपने उपरोक्त ऋण खाते का संचालन निष्[illegible]त इकरारनामा के श[illegible] अनुरूप करना था। अप्रार्थीगण ने अपने स्वामित्व की सम्पति को प्रार्थी बैंक के पास जरिये Mortgage by deposit of title deed के बंधक रखा।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2022.01.30 09:22:23 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट, पाली

क्रमश पृष्ठ :: 2

अप्रार्थीगण ने ऋण अनुबन्ध शर्तो के अनुरूप उक्त खाते में लेनदेन नहीं किया एवं इकरारनामा की शर्तो के अनुरूप देय राशि व ब्याज का भुगतान नहीं किया, जो ऋण अनुबंध का स्पष्ट उल्लंघन है। अप्रार्थीगण को उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस दिनांक 29.4.2021 को देकर दिनांक 29.4.2021 तक बकाया राशि मय ब्याज के 22,76,984/—रूपये (अक्षरे बाईस लाख छियतर हजार नो सौ चौरासी रूपये मात्र) व उससे आगे की बकाया राशि मय ब्याज व खर्चे के मांग हेतु दिया गया। देय नोशनल ब्याज व खर्चो की मांग की गई लेकिन ऋणी ने प्रार्थी बैंक को देय समस्त राशि का भुगतान नोटिस देने के उपरान्त भी नियत अवधि में नहीं किया। अतः अप्रार्थीगण द्वारा इस ऋण के लिये बतौर प्रतिभूतिस्वरूप बंधक रखे गये स्वामित्व की सम्पतिं का कब्जा एवं इससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थीगण के कब्जे में हो तो उन दस्तावेजों को भी प्रार्थी बैंक को दिलाया जावें।

पत्रावली एवं प्रस्तुत दस्तावेजों का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट हैं कि प्रार्थी बैंक नें अप्रार्थीगण को अपनी वितिय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 22,00,000/— (अक्षरे बाईस लाख रूपये मात्र) का ऋण दिया, उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेजात तैयार कर अपने हस्ताक्षर के प्रार्थी बैंक के पक्ष में निष्पादित किये। प्रार्थी बैंक ने नियमानुसार ऋण वसूली के लिये अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किया जाकर समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाने के पश्चात भी अप्रार्थीगण ने बैंक को ऋण राशि का भुगतान नहीं किया। न्यायिक दृष्टांत माननीय उच्च न्यायालय कनार्टक की रिट याचिका संख्या 9694/2005 सुनन्दा कुमारी वगैरा बनाम स्टेण्डर्ड चार्टड बैंक निर्णय दिनांक 23.03.2006 के अनुसार ऋणी को धारा 13 की उपधारा 2 के तहत नोटिस जारी किया जाने व तामिल के पश्चात मजिस्ट्रेट को धारा 14 के तहत आदेश पारित करने से पूर्व पुनःऋणी को नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है। The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 की धारा 14 में उक्त रहन की गई सम्पति को प्रार्थी के कब्जें में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान हैं। जो इस प्रकार हैं :

14. Chief Metropolitan Magistrate or District Magistrate to assist secured creditor in taking possession of secured asset - (1) Where the possession of any secured assets is required to be taken by the secured creditor or if any of the secured assets is required to be sold are transferred by the secured creditor under the provisions of this act, the secured creditor may, for the purpose of taking possession or control of any such secured asset, request, in writing the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate within jurisdiction any such secured asset or other documents relating thereto may be situated or found, to take possession thereof, and the Chief Metropolitan Magistrate or, as the case may be, the District Magistrate shall, on such request being made to him --

(a) Take possession of such asset and documents relating thereto; and

(b) Forward such assets and documents to the secured creditor.

(2) For the purpose of securing compliance with the provisions of sub-section (1), the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate may take or cause to be taken such steps and use, or cause to be used, such force, as may, in his opinion, be necessary.

परिणामस्वरूप तथ्यों के सन्दर्भ में प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता हैं। आदेश की प्रति पुलिस अधीक्षक, पाली को भेजकर अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष में बतौर प्रतिभूति स्वरूप अपने स्वामित्व की सम्पति जो ऊपर वर्णित किया हैं, के संबंध में थानाधिकारी को निर्देशित करें कि वे उक्त भूमि का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थीगण के कब्जे में हो तो उन दस्तावेजों को प्रार्थी बैंक को संभलाकर पालना रिपोर्ट भिजवाने हेतु पाबन्द करें। आदेश की एक प्रति प्रार्थी बैंक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जावें।
आदेश सुनाया गया ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2022.01.30 09:22:23 IST
Reason: SelfAttested

(अंश दीप)
जिला मजिस्ट्रेट, पाली
जिला मजिस्ट्रेट, पाली